Economics D.II (Sub)

डॉ० विनोद बैठा
मारवाड़ी महाविद्यालय दरभंगा

Q हरित क्रांति से आप क्या समझते है
What do you mean by Green Revolution?

हरित क्रांति की शुरूआत सन 1967-68 में प्रारंभ करने का श्रेय नोबल पुरस्कार विजेता प्रो० नारमन बोरलाग Narman Borlag को जाता है। लेकिन भारत में एम. एस स्वामिनाथन को इसका जनक माना जाता है। हरित क्रांति से अभिप्राय देश के सिंचित एवं असिंचित कृषि क्षेत्रों में अत्यधिक उपज देने वाले संकर तथा बौने बीजों के उपयोग से फसल उत्पादन में वृद्धि करना है। जब हरित क्रांति भारतीय कृषि में लागु की गयी थी। उस समय इस विकास विधि का परिणाम 1960 के दशक में पारम्परिक कृषि को आधुनिक तकनीक द्वारा प्रति-स्थापित कीए जाने के रूप में सामने आई। कृषि क्षेत्र में तेजी आई क्योंकि कृषि क्षेत्र में यह तकनीक एका एक आई। और बहुत ही तीव्र गति से इसका विकास हुआ। थोड़े ही समय में इसके इतने आश्चर्य जनक परिणाम मिले की देश के योजना कारों कृषि विशेषज्ञ, राजनीतिज्ञों ने इस अप्रत्याशित प्रगति को हरित क्रांति की संज्ञा प्रदान कर दी। हरित क्रांति की संज्ञा इसलिए भी दी गयी कि इसके परिणाम स्वरूप भारतीय कृषि जीवन स्तर के निर्वाह स्तर से ऊपर उठकर आधिक्य स्तर पर आ चुकि थी।

कृषि विकास के लिए नयी कृषि नीति अपनायी गयी थी। जिसके अन्तर्गत उन्नत किस्म के बीज, उत्तम उर्वरक एवं समुचित सिंचाई के प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त आधुनिक औजारों एवं वैज्ञानिक कृषि विधियों का प्रयोग, कृषि अनुसंधान, कृषि शास्त्र की व्यवस्था एवं भूमि सुधार पर भी ध्यान दिया गया। इस नयी कृषि नीति के फलस्वरूप कृषि उपजों में और विशेषकर खाद्यान्न उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई। खाद्यानों के उत्पादन में हुई यह वृद्धि आश्चर्यजनक एवं क्रांतिकारी वृद्धि कही जा सकती है। जिसे हरित क्रांति की संज्ञा दी गयी है। इस प्रकार हरित क्रांति का अर्थ (The Green Revolution) का अर्थ अधिक उपज देने वाले बीज (High yielding Varieties seeds) रसायनिक खाद समुचित सिंचाई, आधुनिक औजार वैज्ञानिक कृषि विधि, एवं कृषि अनुसंधान पर पर आधारित नए प्रयोग के फलस्वरूप लहलहाती हुई हरि फसलों एवं एवं कृषि उत्पादन में वृद्धि के है, जिसके भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं लुधियाना तथा पंत नगर स्थित कृषि विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण

Scanned by CamScanner

योगदान है। इन संस्थाओं ने अधिक उपज देनेवाले अनेक बीजों तथा वैज्ञानिक कृषि-पद्धतियों आविष्कार किया। प्रो० दांतवाला Dantwala के अनुसार हरित क्रांति लाने में मुख्यतः दो तत्व अधिक सजग रहे ① नयी तकनीक New Technique ② अधिक उपज देनेवाले बीज High yielding Varieties seeds है भारत में अपनायी गयी नयी कृषि रणनीति का परिणाम है जिसके फलस्वरूप हरित क्रांति आयी।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि हरित क्रांति का प्रयोग 1940 और 1960 के दशक में विकासशील देशों में कृषि क्षेत्र में किया गया था। लेकिन इस समय कृषि के पारंपरिक तरीकों को आधुनिक तकनीक और उपकरणों के प्रयोग पर बल दिया गया है। परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के प्रयास किए गए। जिसके चमत्कारिक प्रभाव दिखाई देने लगे। हरित क्रांति के कारण कृषि एक व्यवसाय से निकलकर उद्योग की श्रेणी में आ गई। भारत में शुरू हुई हरित क्रांति ने अन्य विभिन्न क्रांतियों का मार्ग प्रशस्त कर दिया। इस तरह हरित क्रांति कृषि के साथ-साथ अन्य क्रांतियों से भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी परिवर्तन हुआ, साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हुई

Scanned by CamScanner